Need to protect villages from soil erosion in Maldaha Uttar

श्री खगेन मुर्मु (माल्दहा उत्तर): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भूतपूर्व प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वाकांक्षी योजना ?नदी जोड़ो अभियान? को बढ़ाने के लिए आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं जल संसाधन मंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। आपने जल मार्गों का विकास करते हुए व्यापारियों, किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है। जल संसाधनों का उपयोग करते हुए किसानों की आय बढ़ी है और देश सूखे और अकाल की स्थिति से उबर चुका है। इसके लिए मैं अपने क्षेत्र की जनता की ओर से आपको बार-बार धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं पश्चिम बंगाल के मालदा उत्तर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं और आपके माध्यम से अपने क्षेत्र की नदियों के कारण हो रहे कटान और बाढ़ की समस्या की ओर माननीय जल संसाधन मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। मालदा जिले के अधिकांश भागों में गंगा और फुल्हर नदियों के कटान के कारण हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन नदियों मे समा चुकी है। इसके अलावा रिहायशी गांवों, जैसे महानंदा टोला, भिलाईमारी, कहला, देवीपुर, उत्तर और दक्षिण भकुरिया गांवों जैसे रसीदपुर इत्यादि का अस्तित्व विलीन होने के कगार पर है। जैसे कि जंजाली टोला, खास्साबरना, रामायणपुर, रोहीमारी इत्यादि गांवो का अस्तित्व समाप्त हो चुका है।

महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र की जनता गंगा और फुल्हर नदी की कटान और बाढ़ दोनों से ग्रसित है। उपजाऊ जमीनें नदियों मे विलीन हो रही हैं।

महोदय, मैंने इस सदन के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार का ध्यान इस ओर बार-बार आकृष्ट कराया है, पर इसके ऊपर कोई ठोस कारवाई नहीं हो पायी है। मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगा कि कटान से बचाव के लिए ठोस कार्य योजना बनाई जाए, बाढ़ से बचाव हेतु नदियों के किनारे तटबन्ध बनाए जाएं, कटान से पीड़ित लोगों को मुआवज़ा दिया जाए और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाए; इसका आकलन करने के लिए केन्द्र सरकार के अधिकारियों की टीम भेजी जाए; केन्द्रीय जल आयोग का एक कार्यालय मालदा मे खोला जाए, जो सक्रिय होकर इस दिशा में ठोस कार्य करे।